प्रारंभिक संबोधन

सत्र – 213

20 जुलाई, 2026

माननीय मुख्यमंत्री-सह-सदन नेता,
माननीय उप मुख्यमंत्री द्वय,
माननीय नेता, विरोधी दल,
माननीय उप सभापति,
माननीय सदन उप नेता द्वय,
माननीय मंत्रीगण,
माननीय मुख्य सचेतक, सत्तारूढ़ दल,
माननीय मुख्य सचेतक, विरोधी दल,
माननीय उप मुख्य सचेतक, सत्तारूढ़ दल,
माननीय सचेतक द्वय, सत्तारूढ़ दल,
विभिन्न दलों के माननीय नेतागण,
बिहार विधान परिषद् के सभी माननीय सदस्यगण,
प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण !

आज खुशी की बात है कि माननीय श्री सम्राट चौधरी जी, जो लंबे समय तक इस सदन के सदस्य रहे, वे आज बिहार के मुख्यमंत्री का दायित्व संभाल रहे हैं। सदन नेता के रूप में और माननीय मुख्यमंत्री के रूप में इस सदन में आज उनका पहला दिन है। उन्हें हम सब की तरफ से बधाई। प्रगति के पथ पर बिहार को और आगे ले जाने के लिए हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।

माननीय श्री नीतीश कुमारजी, पूर्व मुख्यमंत्री, एक लंबे अरसे, लगभग बीस वर्षों तक इस सदन के सदस्य रहे। आज मुझे और इस सदन को श्री नीतीश कुमारजी की अनुपस्थिति खल रही है। उनके राज्य सभा का सदस्य बनने पर सदन की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई दिया जाता है । हमें पूर्ण विश्वास है कि राज्य सभा सदस्य के रूप में भी वे अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री निशान्त जी का आज जन्म दिन है। सदन की ओर से श्री निशान्त जी को उनके जन्म की बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं। साथ ही, हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

बिहार विधान परिषद् का 213वां सत्र आज से आरंभ हो रहा है। इस अवसर पर विधान परिषद् के सभी बारह नव-निर्वाचित सदस्यों सहित आप सबों का हार्दिक स्वागत करता हूं। आशा है, इस सत्र में होनेवाली कुल पांच बैठकों में राज्यहित एवं विकास से जुड़े अधिक से अधिक विषयों पर सार्थक विमर्श होंगे।

राज्य सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में विकास को प्राथमिकता प्रदान की गई है। दलहन एवं तिलहन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार द्वारा विशेष अनुदान दिए जा रहे हैं। सौर ऊर्जा संयंत्र योजना को प्रोत्साहन देने का राज्य सरकार का निर्णय भी दूरगामी प्रभाव उत्पन्न करनेवाला होगा।

बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार अत्यधिक संवेदनशील है। राज्य राज्य द्वारा मुजफ्फरपुर के मुशहरी, मधुबनी के झंझारपुर एवं राजनगर, पूर्णिया, नालंदा के राजगीर, मधेपुरा के साहुगढ़, शेखपुरा के शेखोपुरसराय, अरवल के करपी, नवादा के भदौनी आदि जगहों पर केन्द्रीय विद्यालयों की स्थापना हेतु भूमि उपलब्ध कराया जाना स्वागतयोग्य है। प्राचीन विक्रमशिला विश्वविद्यालय को आधुनिक विश्वविद्यालय के रूप में पुनर्स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने हेतु 200 एकड़ भूमि हस्तांतरित करने का निर्णय लिया गया है।

सरकार के सात निश्चय-3 योजना के अंतर्गत 'उन्नत शिक्षा उन्नत भविष्य' के तहत 211 डिग्री कॉलेजों में पढ़ाई आरंभ कर दी गई है। अब बिहार के सभी 534 प्रखंडों के बच्चों को अपने प्रखंड में उच्च शिक्षा प्राप्त की सुविधा उपलब्ध हो गई है।

राज्य सरकार द्वारा एम्स, पटना के विस्तारीकरण हेतु 26.76 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। सरकार द्वारा विभिन्न संवर्गों के अंतर्वासी चिकित्सा हेतु कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया है।

धार्मिक आस्था आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-1000 वर्ष की अटूट आस्था के उपलक्ष्य में 1100 श्रद्धालुओं को दो दिवसीय सोमनाथ यात्रा आयोजन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। इसी तरह सिंधु दर्शन तीर्थ यात्रा हेतु वित्तीय सहायता योजना स्वीकृत की गई है।

राज्य में पर्यावरणीय एवं जलवायु कोष के गठन की स्वीकृति से पर्यावरण एवं जलवायु क्षेत्र की अनेकानेक समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया जाएगा।

बिहार में पर्यटकीय विकास हेतु सरकार प्रयत्नशील है। इस हेतु बिहार हेली टूरिज्म एवं एयर टूरिज्म सेवा योजना की स्वीकृति प्रदान दी गई है। पटना का हवाई भ्रमण सुविधा सहित पटना से राजगीर, वाल्मीकीनगर एवं कैमूर के लिए हेलीकॉप्टर सुविधा उपलब्ध कराने से पर्यटकों को आसानी होगी। पर्यटकीय आधारभूत संरचनाओं के विकास हेतु हुडको सहित अन्य एजेंसियों से सहायता ली जा रही है। मुख्यमंत्री होम स्टे प्रोत्साहन योजना की स्वीकृति से प्रदेश में पर्यटन उद्योग को और बढ़ावा मिलेगा। कहलगांव के बटेश्वरधाम मंदिर तक रोप-वे के निर्माण से अधिक सुविधा उपलब्ध होगी। मुंगेर से भागलपुर तक 83 किलोमीटर लंबी गंगा मरीन ड्राईव का निर्माण कार्य शुरू होना राज्य के विकास का एक और उल्लेखनीय कदम है।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति छात्रावास अनुदान योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति छात्रावासों में आवासीत एवं अध्ययनरत छात्र/छात्राओं का छात्रावास अनुदान एक हजार रुपया प्रति छात्र प्रतिमाह से बढ़ाकर दो हजार रुपया प्रति छात्र प्रतिमाह करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

ग्रीन सैटेलाइट टाउनशिप विकास योजना से शहरी विकास के लिए नवीन आधारभूत संरचनाएं विकसित होंगी। शहरों की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने की दृष्टि से इंटेलिजेंट ट्राफिक मैनेजमेंट सिस्टम की स्थापना की जा रही है।

बिहार उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी नियुक्ति (संशोधन) नियमावली, 2026 की मंजूरी से राज्य के युवा खिलाड़ियों के रोजी-रोजगार की समस्याएं खत्म होंगी और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान खिलाड़ी भी इससे लाभान्वित होंगे।

यह सदन बिहार के क्रिकेट खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को बधाई देती है जिन्हें मात्र 15 साल 99 दिन की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे कम उम्र में खेलने का गौरव हासिल हुआ है। इंग्लैंड के दौरे पर गई भारतीय टीम से खेलकर वैभव सूर्यवंशी ने इस मामले में सचिन तेंदुलकर के सबसे कम उम्र में खेलने का रिकॉर्ड तोड़ा है।

सत्र संचालन में पूर्व की भांति परिषद् सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मियों तथा लोकतंत्र के प्रहरी मीडिया के बंधुओं से भी अपेक्षित सहयोग की आशा करता हूं।

अंत में, पुन: आप सबों का हार्दिक स्वागत करता हूं। धन्यवाद

अवधेश नारायण सिंह
20 जुलाई, 2026